>

Title : Shortage of drinking water due to drought in some parts of the country.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): महोदय, आप जानते हैं कि इस समय देश के 299 जिलों को भारत सरकार द्वारा ड्रॉट अफेक्टेड डिस्ट्रिक्ट्स डिक्लेयर किया गया है, लेकिन कई ऐसे डिस्ट्रिक्ट्स हैं, जिनको ड्रॉट अफेक्टेड घोषित करने के लिए रिकमेंडेशन यहां नहीं पहुंचाई गयी जैसे मेरे अपने स्टेट में हुआ है और इसकी वजह से पानी की बहुत दिक्कत हुई है। यह समस्या पूरे देश में भी है। मेरे राज्य के कण्डी एरिया में पानी की बहुत दिक्कत है। हमारे हैण्डपम्प्स, डगवेल्स, ट्यूबवेल्स, बावलियां और तालाब तकरीबन सूख गए हैं, पानी का लेवल नीचे चला गया है और जो ग्रेविटी का पानी है, उसमें भी कमी आई है। इसके साथ ही हमारे नदी-नालों के पानी में भी कमी आई है। आज यह ड्रॉट की समस्या हमारे सामने क्यों है? मैं कहना चाहता हूं कि जब सरकार ने प्लांटेशन कराई, जितनी भी प्लांटेशन कराई, बाद में यह नहीं देखा कि प्लांट्स बचे कितने, पेड़ बचे कितने? उसकी जो मॉनीटरिंग करनी थी, वह कहीं नहीं हो रही है। मेरी सब्मिशन है कि ये हालात बिगड़ेंगे, और भी खराब होंगे। मेरी जैसी स्टेट जहां पानी की भरमार है, अगर वहां पानी की डिफिकल्टी हो सकती है तो देश के बाकी हिस्सों का क्या हाल हो सकता है? मैं कहना चाहूंगा कि कृपा करके पानी को रिचार्ज करने की ओर ध्यान दिया जाए। हमारे जो नदी-नाले सूख रहे हैं, उनमें पानी कैसे आए, उसके लिए क्या तजवीज सरकार रखती है? उसकी तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए। ड्रॉट से सिर्फ खाने की प्रॉब्लम नहीं हुई, पानी की बहुत डिफिकल्टी बनी हुई है। मेरे राज्य के कुछ डिस्ट्रिक्ट्स जैसे कठुआ, उधमपुर, रियासी, रामबन, किश्तवार, डोडा, गुल आदि को भी ड्रॉट अफेक्टेड जिलों में शामिल किया जाए।